वाणिज्य में स्नातक
(बी. कॉम)

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली

बी. सी. ओ. जी. -171: व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत

सत्रीय कार्य
2022–23

जाँच सत्रीय कार्य की अवधि - 1st जुलाई 2022 से 30th जून 2023

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली –**1100 68**

वाणिज्य में स्नातक (बी. कॉम)

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली

बी. सी. ओ. जी. -171: व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत

सत्रीय कार्य
2022–23

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस सत्रीय कार्य को तीन खंडों में विभाजित किया गया है । खण्ड - क में वर्णनात्मक पांच प्रश्न दिए गए हैं, जिनमें प्रत्येक प्रश्न क्रमश: 10 अंक के हैं। खण्ड - ख में पांच लघु प्रश्न दिए गए हैं, जिनमें प्रत्येक प्रश्न क्रमश: 6 अंक के हैं। खण्ड - ग में दो अतिलघु प्रश्न दिए गए हैं जिनमें प्रत्येक प्रश्न क्रमश: 10 अंक के हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30% अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

1. वे छात्र जो दिसंबर 2022 के सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं, उन्हें अक्टूबर 2022 तक जमा करवाना होगा।
2. वे छात्र जो जून 2023 की सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं। वे उसको 15 मार्च 2023 तक जमा करवायें।

आपको सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य को अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को प्रस्तुत करना होगा।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**बी. सी. ओ. जी. -171**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**बी.सी.ओ.जी.-171/टी. एम. ए./2022- 23**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – क

1. बाजार के लिए किसी वस्तु की माँग के प्रमुख निर्धारक बताइए। घटिया वस्तु और गिफन वस्तु के बीच अंतर बताइए। **(10)**

2. पूर्ति का नियम समझाइए। इसके अपवाद बताइए। **(10)**

3. उपभोक्ता अतिरेक की संकल्पना की व्याख्या करें। इसकी सीमाएं क्या है ? **(10)**

4. कुल लागत पर कीमत निर्धारण सिद्धांत क्या है **?** इसके चलते इष्टतम उत्पादन से भी अधिक उत्पाद किस प्रकार हो पाता है ? **(10)**

5. सीमांत उत्पादिता सिद्धांत समझाइए। इसकी पूर्व धारणाए भी बताइए। सीमांत उत्पादिता सिद्धांत वितरण को एक संतोषजनक सिद्धांत क्यों नहीं समझा जाता है ? **(10)**

खण्ड – ख

6. यथार्थमूलक और आदर्शक अर्थशास्त्र के बीच अंतर बताएं। आप इनमे से किसे उत्तम समझते हैं और क्यों ? **(6)**

7. अनधिमान वक्रों की सहायता से एक उपभोक्ता की साम्य स्थिति किस प्रकार प्राप्त होती है ? व्याख्या कीजिए। **(6)**

8. उदाहरण सहित समझाइए कि पीछे की ओर झुका हुआ पूर्ति वक्र क्या है ? **(6)**

9. अल्पाधिकार में फर्म के औसत आय वक्र और सीमांत आय वक्र के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए। **(6)**

10. आभासी लगान की अवधारणा की विवेचना कीजिए। यह आर्थिक लगान की अवधारणा से किस प्रकार भिन्न है ? **(6)**

खण्ड – ग

11. "न्यूनता सभी आर्थिक प्रणालियों की जननी है" व्याख्या कीजिए। **(5)**

12. समोत्पाद वक्र के क्या लक्षण है ? **(5)**

13. प्राथमिक और मध्यवर्ती आगतों के बीच अंतर बताइए। **(5)**

14. सम सीमांत उपयोगिता नियम का आलोचनात्मक परीक्षण करें। **(5)**